दुनिया की सबसे महंगी ज़मीन खरीदने वाले हिंदू जैन वीर टोडरमल जी की विरासती हवेली की दुर्दशा की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। टोडरमल जी गुरु घर के बड़े श्रद्धालु थे और वे पंजाब के इतिहास में हिंदू-सिख भाईचारे की बड़ी मिसाल हैं। उन्होंने माता गुजरी जी और छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी का अंतिम संस्कार किया था।

इस कार्य के लिए उन्होंने सोने की 7,800 मोहरें खर्च करके उस समय दुनिया की सबसे महंगी ज़मीन खरीदी थी। तब से सिख हर साल फतेहगढ़ साहिब की धरती पर दीवान टोडरमल जी की महान सेवा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। पर, यह बड़ी त्रासदी है कि हम पंजाब की धरती पर टोडरमल जी जैसे महान परोपकारी की विरासती यादगार हवेली की देखभाल नहीं कर सके, जबकि गुजरात के कच्छ में प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा गुरुद्वारा लखपत साहिब को संभालने के लिए विशिष्ट कार्य किया गया है। सदियों से यह हवेली ढहते-ढहते जर्जर हो चुकी है। इस महान विरासत की अनदेखी होना बेहद दुखदायी है।

मैं सरकार से सिख धर्म की इस ऐतिहासिक धरोहर को संभालने की पुरज़ोर अपील करता हूँ। मैं मांग करता हूँ कि हिंदू-सिख भाईचारे के प्रतीक इस पुरानी विरासत को संभालने के लिए भारत सरकार का पुरातत्व विभाग (ASI) शीघ्र से शीघ्र कदम उठाए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ इस महान ऐतिहासिक विरासत को हमेशा याद रखें और प्रेरणा लें।"

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI VIKRAMJIT SINGH SAHNEY): Thank you. आपने साहबजादों की शहादत के लिए बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। अभी बच्चों पर डिस्कशन हो रहा था। हिन्दी के कवि मैथिलीशरण गुप्त ने भी इस पर लिखा है:-

"जिस कौम के बच्चे यूँ दे सकते हैं बलिदान,
वर्तमान कुछ भी हो, भविष्य होगा महान, महान।"

The hon. Member, Dr. John Brittas (Kerala), associated himself with the Special Mention made by the hon. Member, Shri Satnam Singh Sandhu.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI VIKRAMJIT SINGH SAHNEY): Next Special Mention is by Shri Ghanshyam Tiwari; demand for preserving the heritage of Jaipur city. मैं आदरणीय मेम्बर से दरख्वास्त करूंगा कि जिस लैंग्वेज में उन्होंने स्पेशल मेंशन दिया है और जो approved text है, उसी भाषा में वे निवेदन करें।

Demand for preserving the heritage of Jaipur City

श्री घनश्याम तिवाड़ी (राजस्थान) : महोदय, मैं इस सदन में राजस्थान राज्य के जयपुर शहर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण पर विशेष ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

जयपुर, जिसे 'पिंक सिटी' के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय वास्तुकला, संस्कृति और इतिहास का एक अद्वितीय संगम है। यह शहर न केवल अपनी भव्यता और ऐतिहासिक महत्व के

लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह यूनेस्को द्वारा 'वर्ल्ड हेरिटेज सिटी' के रूप में भी मान्यता प्राप्त कर चुका है। जयपुर शहर के ऐतिहासिक स्थल, महल, किले, मंदिर और बाजार समय के साथ-साथ बढ़ती जनसंख्या, अतिक्रमण, अव्यवस्थित शहरीकरण और प्रदूषण के कारण खतरे में पड़ गए हैं। इन धरोहरों की संरचना और शुद्धता को बनाए रखना एक चुनौती बन गई है। जयपुर की हेरिटेज विरासत केवल राजस्थान या भारत ही नहीं, बल्कि समूचे विश्व के लिए अनमोल धरोहर है। इसके संरक्षण के लिए सरकार, स्थानीय प्रशासन और समाज के सभी हिस्सों को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। यदि हम समय रहते इन स्थलों के संरक्षण के लिए ठोस कदम नहीं उठाते, तो यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बड़ी क्षति हो सकती है। जयपुर के ऐतिहासिक स्थल भारतीय संस्कृति के अद्वितीय प्रतीक हैं और हमें इन्हें बचाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए।

अतः मेरा सरकार से निवेदन है कि वह इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई कराए जाने का श्रम करे।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI VIKRAMJIT SINGH SAHNEY): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri Ghanshyam Tiwari: Dr. John Brittas (Kerala), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu) and Shri Sandosh Kumar P (Kerala).

Shri M. Shanmugam; Need to revive Sick Cooperative Sugar Mills. Not present. Now Shrimati Kiran Choudhry; Demand for development of Bhiwani Airstrip as container terminal.

Demand for development of Bhiwani Airstrip as Container Terminal

SHRIMATI KIRAN CHOUDHRY (Haryana): Sir, I rise to draw the attention of the Government to the urgent need for infrastructure development in Haryana, specifically, the transformation of the Bhiwani airstrip which was made by Ch. Bansi Lal between 1975-78 into a container terminal and cargo hub. Despite being a major contributor to India's economy, Haryana still lacks a dedicated airport, relying on Chandigarh and Delhi for air connectivity. This absence of air cargo infrastructure hampers industrial growth, trade, and economic development.

(THE VICE-CHAIRMAN, SHRI GHANSHYAM TIWARI, *in the Chair.*)

Bhiwani is uniquely positioned as an ideal location for such a project due to its excellent road connectivity. Multiple national highways, including NH 9, NH 148B, and NH 709A pass through the region, linking it to Delhi, Rajasthan, Punjab, and Gujarat. This strategic positioning makes Bhiwani a perfect hub for logistics and cargo